an>

Title: Regarding shortage of DAP and Urea in the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने राजस्थान की चिंता की और उन्हें अपनी बात रखने की अनुमति दी।

महोदया, आज यूरिया की स्थिति यह है कि पूरे देश के किसानों को रबी की फसल की बुआई के समय उत्पादकता बढ़ाने के लिए डीएपी और यूरिया की जरूरत होती है। लेकिन राज्यों की जो मांग है, उसके सापेक्ष खाद की कमी है, जिसका उल्लेख माननीय सदस्य ने किया है।

महोदया, किसानों के सामने दिक्कत यह है कि जब उन्हें यूरिया उपलब्ध नहीं होती है तो बाज़ार से उनको ब्लैक में खरीदनी पड़ती है। एक तरफ उत्पादकता नहीं बढ़ रही है और दूसरी तरफ लगातार जनसंख्या बढ़ने से जो खेतों का रक़बा है, वह कम हो रहा है। हम अपने आपको स्वावलम्बी तभी बना सकते हैं, जब खेत की उत्पादकता बढ़े और उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमें रबी की बुआई के समय डीएपी की ज़रूरत पड़ती है, उसके बाद सिंचाई के समय खाद की ज़रूरत पड़ती है। आज पूरे उत्तर प्रदेश में और खास तौर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में, जिसमें सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, महाराजगंज और संत कबीर नगर में खाद की कमी है। इस संबंध में मैं चाहता हूं कि सरकार यह रिस्पोंड करे कि देश के किसानों को वर्तमान में जितनी यूरिया की आवश्यकता है, उसको उपलब्ध करवाया जाएगा।